Non-Availability of Technical Credit for Export of F.C.V. Tobacco

55. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the export of F.C.V. tobacco to the erstwhile Soviet Union are effected for want of technical credit; and

(b) if so, what steps have been taken by Government to overcome this situation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Export of F.C.V. Tobacco to the Erstwhile Soviet Union

56. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the bank payment is frozen against the F.C.V. Tobacco exports to the erstwhile Soviet Union;

(b) if so, what are the reasons therefor and with what effect;

(c) whether this effects the marketing of Tobacco; and

(d) if so, what steps have been taken by Government to overcome the situation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) : (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

Visit to Tobacco Board by Hon'ble Minister of State

57. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of. COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hon'ble Minister of State of his Ministry visited Tobacco Board at Guntur on the 26th January, 1992 and held discussions with growers and traders there:

(b) what assurances were given by the Hon'ble Minister to boost the exports and stablise market; and

(c) what steps are being taken to realise these promises and with what effect?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Minister assured the farmers and exporters of tobacco that all possible steps would be taken to promote exports of tobacco. In addition to the incentives already available for export of tobacco, the Government has advised the Reserve Bank of India to meet all genuine requiremeTits of finance of this sector. Government has also taken up at suitable levels the question of enhanced exports of tobacco to various markets. During April-January, 1991-92, 62411 tons of tobacco valued at Rs. 286.28 crores were exported as against 58860 tons of tobacco valued at Rs. 161.17 crores exported during the same period in 1990-91.

Dunkel's proposal about pharmaceuticals, Agro-Chemicals and I.P.R.

58. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have finalised it's stand on the Dunkel's proposals for the Uruguay Round of trade talks organised by the General Agreement on Trade and Tariff particularly, the provisions relating to pharmaceuticals, agro-chemicals and protection of intellectual property rights;

(b) if so, what are the details thereof, and

(c) if not, what is the stage at which the matter stands at present?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Government are in the process of examining the Dunkel proposals.

निर्यातोन्मुखी जवाहरात उद्योग परिसरों की स्थापना

59. **श्री अजीत जोगी:**
कुमारी सुशीला तिरिया:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या खनिज और धातु व्यापार निगम ने शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुखी जवाहरात उद्योग परिसरों की स्थापना की है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या खनिज और धातु व्यापार निगम इस तरह

के और औद्योगिक परिसरों की स्थापना करने का विचार रखता है;

(घ) यदि हां, तो इन उद्योग परिसरों को कहां-कहां स्थापित किए जाने का विचार है; और

(ङ) इन परिसरों द्वारा कब तक अपना कार्य शुरु कर दिये जाने की संभावना है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) जी, हां।

(ख) खनिज एवं धातु व्यापार निगम ने झंडेवालान, नई दिल्ली में एक शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुख आभूषण विनिर्माण कांपलेक्स थापित किया है।

(ग) जी हां।

(घ) और (ङ) खनिज एवं धातु व्यापार निगम ने कलकत्ता में साल्ट लेक एरिया में एक शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुखी कांप्लेक्स स्थापित करने के लिए जमीन ले ली है। भवन निर्माण तथा बुनियादी संरचना संबंधी सुविधाएं पूरी हो जाने पर इस कांप्लेक्स के तीन वर्ष में पूरा हो जाने की आशा है।

चावल और अन्य खाद्यान्नों की निर्यात-प्रक्रिया का सरलीकरण

60. **श्री अजीत जोगी:**
कुमारी सुशीला तिरिया:

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चावल और अन्य खाद्यान्नों की निर्यात-प्रक्रिया को हाल ही में सरल बनाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) भारत से चावल और अन्य खाद्यान्नों का मुख्यत: आयात करने वाले देशों के नाम क्या हैं?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद): (क) जी, हां।

(ख) गैर-बासमती चावल तथा कुछ अन्य खाद्यान्नों को खुला सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत लाया गया है और उनके निर्यात की अनुमति कृषि तथा प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा जारी पंजीकरण-सह-आबंटन प्रमाण-पत्र के आधार पर दी जाती है। अब निर्यात लाइसेंस लेने की कोई आवश्यकता नहीं है।

(ग) भारत से खाद्यान्नों के प्रमुख आयातक देश ये हैं: संऊदी अरब के मध्य-पूर्व देश, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, बेहरीन तथा जोर्डन। इसके अलावा सोवियत संघ, यूरोपीय आर्थिक समुदाय के देश, कोरिया लोकतंत्रीय जनवादी गणराज्य तथा नेपाल भी भारी मात्रा में खाद्यान्न का आयात करते हैं।

इस्राइल के साथ व्यापार-समझौता

61. **डा० रत्नाकर पाण्डेय**: क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद उसके साथ किसी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने का कोई प्रस्ताव है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद): (क) अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं किया गया है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Winding up of Office of Chief Controller of Import and Export

62. DR. RATNAKAR PANDEY:
SHRI BEKAL UTSAHI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to wind up the office of the Chief Controller of Import and Export in the near future; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

चाय का निर्यात

63. **कुमारी आलिया**: क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा 1991-92 के वर्ष के दौरान विदेशों में कुल कितनी चाय का निर्यात किया गया है;

(ख) क्या सरकार विदेशों में भारतीय चाय की मांग को पूरा करने के लिए चाय के उत्पादन हेतु आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने के लिए कोई योजना बना रही है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) अप्रैल, 1991 से दिसम्बर, 1991 तक की अवधि के दौरान भारत से 939.93 करोड़ रु० (अनन्तिम) मूल्य की 171.94 मिलियन किग्रा चाय निर्यात की गई।

(ख) और (ग) विदेशों में भारतीय चाय की मांग पूरी करने के लिए चाय उत्पादन बढ़ाने के वास्ते चाय की खेती करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों जैसे-उच्च पैदावार देने वाले क्लोनों का प्रयोग, सिंचाई प्रणालियों, आदि का पहले से ही क्रियान्वयन किया जा रहा है।